MICON CLOCYPER

Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC

(Systemic and Contact Insecticide)

CIR-163510/2019-Chlorpyriphos + Cypermethrin (EC) (399)-869

It is emulsifiable concentration containing active ingredient Chlorpyriphos 50% w/w cypermethrin 5% w/w balance emulsifiers and solvent. It effectively controls pest complex on cotton.

Recommendation

Crops	Common Name of Pest	Dosages / Ha		Dilution in (Ltr) water	Waiting Period Between Last spray to Harvest (in days)
		A.I. (gm)	Formulation (Ltr)		
Cotton	Aphid,Thrips,Jassid , Whitefly,American bollworm,Pink bollworm, Spotted bollworm, Spotted litura	500 + 50	1.000	500-1000	15
Rice	Stem borer, leaf folder	312+32 to 375+38	0.625-0.750	500-700	15

Direction of Use : Depending upon the stage of the crop increase or decrease the quantity of water. Plant Protection Equipment: Knapsack sprayer, foot sprayer, compression knapsack sprayer, compression knapsack battery sprayer, and ASPEE-HTP power sprayer fitted with hollow cone nozzle.

Precaution

1. Keep away from foodstuffs, empty foodstuff containers and animals food.
2.. Avoid contact with mouth, eyes and skin.
3.. Avoid inhalation the spray mist. Spray in the direction of wind.
4 . Wash thoroughly the contaminated clothes and parts of the body after spraying.
5. Do not smoke, drink, eat and chew anything while spraying.
6. Wear full protective clothing while mixing and spraying.

Symptoms of Poisoning : Headache, giddiness, vertigo,nausea, vomiting, blurred vision, diarrhoea, convulsions, excessive sweating, lacrimation and salivation allergic manifestation may occur.

First Aid

1. If swallowed, do not induce vomiting or give liquid orally.
2. If clothing and skin are contaminated, remove the cloths and wash the contaminated skin with copious amount of soap and water.
3. If eyes are contaiminated, flush with plenty of saline/clean water for about 10 to 15 minutes.
4. If inhaled, remove the patient to fresh air.

Antidote :

1. Atropinize the patient immediately and maintain full atropinization by repeated doses of 2 to 4 mg. of atropine sulphate intravenously at 5 to 10 minutes interval. As much as 25 to 50 mg. of atropine may be required in a day. The need for further atropine administration is guided by the continuance of symptoms. Extent of salivation is a useful criterion for dose adjustment.
2. Dissolve 1-2 gm of 2 PAM in 10 ml distilled water and inject intravenously very slowly for 10-15 minutes
3- Antihistamines may be given for allergic manifestation.

Disposal of used Container

1. It shall be the duty of manufactures, formulators of insecticide and operators to dispose packages or surplus materials and washings from the machines in a safe manner, so as to prevent environmental or water pollution.
2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use.
3. Packages shall be broken and burried away from habitation.

Storage Conditions

1. The packages containing the insecticide shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles or shall be kept in seperate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of the insecticide
2. The rooms or premises meant for storing the insecticide shall be well built, dry, well-lit and ventilated and of sufficient dimensions.

Chemical Composition

Chlorpyriphos a.i.	Min. purity 94%		50.00 % w/w
Cypermethrin a.i.	Min. purity 92%		5.00 % w/w
Emulsifier A	(Blend of Cal. Salt of Alkyl benzene sulphonic acid & poly oxy ether of nony phenol		5.60 % w/w
Emulsifier B	Blend of Cal. Salt of Alkyl Benzene Sulphonic acid &Polyethonoxy Propoxy ether of Fatty alcohol)		2.40 % w/w
Aromatic Hydrocarbon solvent(like Aromax)		Total :	Q.S. % 100.000% w/w

Regd. office :

MICON LABORATORIES Pvt. Ltd.

Gat No. 52, Plot no. 2,3 Dhodi Shivar, Dhamane,
Post Deobhane, Tal. Dist. Dhule (M.S.) India.

MICON CLOCYPER

Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC

(Systemic and Contact Insecticide)

CIR-163510/2019-Chlorpyriphos + Cypermethrin (EC) (399)-869

Regd. office :

MICON LABORATORIES Pvt. Ltd.

Gat No. 52, Plot no. 2,3 Dhodi Shivar, Dhamane,
Post Deobhane, Tal. Dist. Dhule (M.S.) India.

उत्पादक :

मायकॉन लेबोरेटरीज प्रा. लि.

गट नं.५२, प्लॉट नं. २,३ धोडी शिवार, धमाणे,
पोष्ट देवभाने, ता. जि. धुळे. (महाराष्ट्र)

उत्पादक :

मायकॉन लेबोरेटरीज प्रा. लि.

गट नं.५२, प्लॉट नं. २,३ धोडी शिवार, धमाणे,
पोष्ट देवभाने, ता. जि. धुलिया. (महाराष्ट्र)

मायकॉन क्लोसायपर

क्लोरपायरिफॉस ५०% + सायपरमेथ्रीन ५% ई.सी.

(अंर्तप्रवाही एवं स्पर्शीय किटनाशक)

CIR-163510/2019-Chlorpyriphos + Cypermethrin (EC) (399)-869

यह एक इमल्सिफायेबल कोन्सेनट्रेट है जिसमें सक्रिय तत्व क्लोरोपायरिफास ५0 % भार/भार सायपरमेथ्रीन ५% भार/भार तथा बाकी इमल्सीफार्यस और सालवेन्ट है। यह कपास के किडों के संमिश्रण को असरकारक ग्रुप से नियंत्रीत करता है।

शिफारस :

फसल	कीटा के नाम	प्रति हेक्टर मात्रा		पानी की मात्रा (ली.)	अतिंम छिडकाव तथा फसल काटने के बीच अंतराल(दिनों) में
		स. तत्व (कि.ग्रा.)	संरचना (ली.)		
कपास	माहु, चुरदा, तेला, सफेद मक्खी अमेरीकन डोंडे की सुंडी, गुलाबी डोंडे की सुंडी, चित्तीदार डोंडे की सुंडी, तम्बाकु की सुंडी,	५००+५०	१.०००	५००-१०००	१५
धान	तना छेदक, पत्ती मोडक	३१२+३२ से ३७५+३८	०.६२५-०.७५०	५००-७००	१५

उपयोग के लिए निर्देश : पानी की मात्रा फसल की अवस्था और छिडकाव के अनुसार कम या अधिक करें। उपयोग में आने वाले यंत्र-नॅपॅक स्प्रेअर, फुटस्प्रेअर, कॉम्प्रेशन स्प्रेअर, आणी एएसपीईई, एचटीपी पावर स्प्रेअर आदि जिसमें खाली कोण नोजल लगा हो।

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां :

१. खाधसामग्री के खाली बर्तन और पशुओ के चारे से दुर रखे।
२.मुंह, त्वचा और आंखे के संम्पर्क से बचाये।
३.छिडकाव की वाष्प को सांस द्वारा अन्दर जाने से बचाये। हवा की दिशा मे छिडकाव करे।
४. छिडकाव के बाद दूषित कपडो और शरीर के अंगो को अच्छी तरह धोएं।
५.छिडकाव के समय धुम्रपान, खाना, पीना और कुछ तबाना नही चाहिए।
६.छिडकाव करते या मिलाते समय पुर्ण सुरक्षात्मक कपडे पहनें।.

विष के लक्षण : सिरदर्द, चक्कर आना, धुंधला दीखना, मितली, उल्टी, दस्त, झटके, मिरगी, अधीक पसिना आना, लार टपकना, एलर्जी हो सकते है।

प्राथमिक चिकित्सा :

१. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें या मुँह द्वारा कोई द्रव न दें।
२. यदि कपडे और त्वचा दूषित हो जाए तो दूषित कपडे उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।
३. यदि अँखे दूषित हो जाये तो उनके काफी मात्रा में सैलाइन/ साफ पानी से लगभग १०-१५ मिनट धोएं।
४. यदि सांस द्वारा अन्दर गया हो तो रोगी को शुध हवा में ले जायें।

विष नाशक : रोगी को तुरंत एट्रोपिन दीजिए और इसकी २ से ४ मि.ग्रा. तक की खुराक ५ से १० मिनट के अन्तराल शिरा दवारा लगातार देते हुए पूर्ण एट्रोपिननाइज रखिए। एक दिन में एट्रोपिन सलफेट की अधिक से अधिक २५ से ५० मि.ग्रा. तक की मात्रा की आवश्यकता पड सकती है। एट्रोपिन सलफेट की और मात्रा लक्षणों के बराबर रहते दी जा सकती हैं। एट्रोपिन की कितनी खुराक देनी चाहिए इसके लिए मुंह से निकलने वाली लार एक लाभदायक कसौटी हैं। १ से २ ग्राम २ पी ए एम १० मिली आसुत जल में घोलकर अन्तशिहा दवारा धीरे धीरे १० से १५ मिनट में देना चाहिए। एलर्जी के लिए एन्टीहिस्टेमिन्स दिये जा सकते है।

खाली डिब्बो का निपटारा :

१. किटनाशक के डिब्बो को अलग -अलग कमरों या आलमारियों में जोकी अन्य कमरों तथा आलमारियों से जिनमें अन्य वस्तुए विशेषकर खाद्य पदार्थ या पशु आहार संग्रहित किए जाते है से दुर अन्य कमरों से दुर अलग-अलग कमरों या अलमारीयों में ताला चाबी में लंद रखे।
२ जिन कमरे या आलमारियों में किटनाशक का भंडारण करना हो वह अच्छी तरह बना हुआ, सुखा, प्रकाश युक्त, हरादार व पर्याप्त लम्बा चौडा होना चाहये ताकी किटनाशक के भाप से वातावरण प्रदूषण का डर न हों।

संग्रहण की शर्ते :

१. कीटनाशक रखे हुए डिब्बो आदी ऐसे कमरे या अन्य वस्तुओ के रखे जाने वाले कमरे या जगह से दूर हो याआलमारी मे ताला कुन्जी लगाकर प्रमाण व प्रकार के हिसाब से रखे।
२. जिस कमरे या आलमारी में किटनाशक का भण्डारण करना हो वह अच्छी तरह बना हुआ, सुखा,प्रकाशयुक्त हवादार पर्याप्त लम्बा चौडा होना चाहिये। जिससे कि कीटनाशक के भाप से प्रदुषण होने का डर न हो।

रासायनिक संरचना :

क्लोरपायरिफॉस टेक्निकल	न्युनतम शुद्धता ९४ प्रतिशत	५0 % भार/भार
साइपरमेथ्रिन स. तत्व	न्युनतम शुद्धता ९२ प्रतिशत	५.०० % भार/भार
इमल्सिफायर अ	ब्लैंड ऑफ कैलसियम साल्ट ऑफ अल्काईल बेन्जीन सल्फोनेट एसिड एण्ड पोली ओक्सी ईथर ऑफ नोना फिनोल	५.६० % भार/भार
इमल्सिफायर ब	ब्लैंड ऑफ कैलसियम साल्ट ऑफ एल्काईल बेंजीम सल्फोनिक एसिड एण्ड पोलीइथोनाक्सी इथर ऑफ फैटी अल्कोहल	२.४० % भार/भार
एरोमेटिक हाइड्रोकार्बन घोलक (एरोमेक्स)		पर्याप्त मात्रा%भार/भार
	योग:	१००.००० % भार/भार

उत्पादक :

मायकॉन लेबोरेटरीज प्रा. लि.

गट नं.५२, प्लॉट नं. २,३ धोंडी शिवार, धमाणे, पोष्ट देवभाने, ता. जि. धुलिया. (महाराष्ट्र)

मायकॉन क्लोसायपर

क्लोरपायरिफॉस ५०% + सायपरमेथ्रीन ५% ई.सी.

(अंर्तप्रवाही एवं स्पर्शीय किट्कनाशक)

CIR-163510/2019-Chlorpyriphos + Cypermethrin (EC) (399)-869

हे एक सक्रिय इमल्सिफायर आहे. ज्यामध्ये क्लोरोपायरिफास ५0 % भार/भार +सायपरमेथ्रीन ५% आहे कापुस किडीवर नियंत्रणासाठी उपयुक्त.

उपयोग :

पिक	कीटका चे के नाव	प्रति हेक्टर मात्रा		विद्रावण	प्रतिक्षा कालावधी शेवटच्या फवारणी पासुन काढणी पर्यत
		ए आय ग्रॅम	सुत्रिकरणग्रॅम		
कापुस	मावा, तुडतुडे, अमेरिकन बॉंड अळी, गुलीबी बॉंड अळी, पांढरी माशी.	५००+५०	१०००	५००-१०००	१५
भात	पाने गुडाभनारी किटक, खोड पोखरणार किटक.	३१२+३२ ते ३७५+३५	०.६२५-०.७५०	५००-७००	१५

वापराचे दिशानिर्देश : पाण्याची मात्रा रोगाच्या प्रार्दुभावानुसार कमी अधीक करणे.

नॅपॅक स्प्रेअर, फुटस्प्रेअर, कॉम्प्रेशन स्प्रेअर, आणी एएसपीईई, एचटीपी पावर स्प्रेअर इत्यादि

सावधगिरी : ● औषधाचे रिकामे डबे अन्नपदार्थापासुन व प्राण्यापासुन दुर ठेवा. ● डोळ्यांच्या आणी त्वचेच्या संपर्कापासुन टाळा. ● फवारणी च्या वेळेस श्वासोश्वास टाळा. ● फवारणीनंतर दुषित कपडे आणी औषधाच्या संपर्कात आलेला शरीराचा संपुर्ण भाग धुवा. ● फवारणी करताना धुम्रपान करु नका, पेय पिउ नका, काहीही खाऊ नका. ● द्रवण तयार करते वेळी आणी वापरकरतांना संपुर्ण संरक्षक कपडे घाला. ● मधमाशांसाठी विषारी आहे. परागिकरणाच्या वेळेस वापर टाळावा. ● पाळीव प्राण्यांच्या गोठ्यामध्ये फवारणी करु नये.

विषकारकता : शेतावरील शिफारशीनुसार वापरल्यास विषकारक नाही.

विषबाधाचे लक्षणे : या किटकनाशकाचा संपर्क आल्यास मळणळणे, उलटी, चक्कर येणे, डोकेदुखणे, घाम येणे , फुफूस आणी डोळे जळजळने,भोवळ, उलटी,अंधारी येणे, अश्रु येणे, तोडातुन लाळ येणे,व ॲलर्जी होऊ शकते इ. उद्रव शकते.

प्रथमोपचार :

१. त्वचेच्या संपर्क, दुषित झालेली त्वचा भरपुर पाणी आणी साबणाने चांगली स्वच्छ धुवा. दुषित झालेले कपडे काढा. कोणतीही तक्रार असेल तर डॉक्टरचा सल्ला घ्या.
२. श्वासातुन आत जाणे श्वासाच्छरासाला त्रास होत असेल तर प्राणवायु द्या. वैद्यकिय उपचार मिळवा.
३. जर डोळे दुषित झाल्यस १० ते १५ मिनिटे भरपुर प्रमाणात स्वच्छ पाण्यात धुवा. वैद्यकिय उपचार मिळवा.
४. फवारणी नंतर दूषित कपडे आणी औषधाच्या संपर्कात आलेला शरिरीचा संपुर्ण भाग धुवा.
५. पोटात जाणे, गिळले गेल्यास उलटी करायला लावु नका बेशुध्द रुगणाला तोंडावाटे काहीही देउ नका, ताबडतोब वैद्यकीय उपचार मिळवा.

विष नाशक : रोग्याला लगेच २ ते ४ मिली एट्रोपीन ५ ते १० मिनीटांच्या कालावधीत अंतशिराव्दारा द्या. एट्रोपिन सल्फेट जास्तितजास्त २५ ते ५० मि.ग्रा. पर्यत देऊ शकतात.१ ते २ ग्राम PAM मिली डिस्टील पाण्यात १० ते १५ मिनीटे अंतरशिराव्दारा हळुळू द्या.ॲलर्जी झाल्यास ॲन्टीहिस्टामाईन देऊ शकता.

वापरलेल्या कंटेनरचे विल्हेवाट लावणे :

१. पॅकेजेस किंवा अतिरिक्त द्रव्य आणी यंत्राचे धुवण तसेच कंटेनर ह्याची विल्हेवाट सुरक्षितपणे, पर्यावरणाचे आणी पाण्याचे प्रदुषन न होईल अशा रितीने लावावी.
२. वापरलेल्या पॅकेजेसचा परत वापर टाळावा म्हणून ती उघड्यावर टाकु नयेत.
३. पॅकेजेस मोडुन तोडुन वस्तीपासुन दुर पुरावीत व जमीनीत पुरुन टाका.

साठवण परिस्थिती :

१. किटकनाशक असलेले मुळ स्वरुपातील बंदखोके हे अन्य वस्तु विशेषता खाद्य पदार्थ साठवलेल्या ठिकानापासुन वेगळ्या ठिकाणी ठेवले पाहीजे किंवा बुरशीनाशक स्वतंत्र कपाटात कुलूपलावुन बंद करुन ठेवावे.
२. किटकनाशक साठवण खोल्या अथवा पक्या बांधणी च्या कोरड्या भरपुर उजेड व खेळती हवा असणारऱ्या योग्य अकाराच्या असाव्यात म्हणजे वाफेद्वारे प्रदुषण होनार नाही.
३. एक्राकल्चर व मधमाशांसाठी हानीकारक.

जबाबदारी नियम : हे औषद वापरण्याची पध्दत हि कंपनीच्या तत्कालीन प्रयोगांवर आधारीत आहे अनेक बाबी उद.वातावरण जमिनीचा प्रकार पिकाचा प्रकार फवारणी पध्दत इत्यादी गोष्टीचा किटकनाशकाच्या कार्यक्षमतेवर परीणाम होउ शकतो म्हणुन या किटकनाशकाचा वापर कंपनीच्या नियंत्रणाबाहेर आहे. या उत्पादकाच्या एकसमाण गुणवत्तेच्या खात्रीशिवाय इतर कोणतीही जबाबदारी कंपणी घेत नाही. आमचे किटकनाशक हे सिलबंद पॅकिंगमध्दे खरेदी केल्यानंतरच कंपनी त्यच्या गुणवत्तेची गॅरंटी देते.
हे हस्तपत्रक वर निर्दिष्ट केलेल्या व्यतिरिक्त इतर पिकावर वापरुनये.

रासायनिक संरचना :

क्लोरपायरिफॉस टेक्निकल	न्युनतम शुद्धता ९४ प्रतिशत	५0 % भार/भार
साइपरमेथ्रिन स. तत्व	न्युनतम शुद्धता ९२ प्रतिशत	५.०० % भार/भार
इमल्सिफायर अ	ब्लैंड ऑफ कैलसियम साल्ट ऑफ अल्काईल बेन्जीन सल्फोनेट एसिड एण्ड पोली ओक्सी ईथर ऑफ नोना फिनोल	५.६० % भार/भार
इमल्सिफायर ब	ब्लैंड ऑफ कैलसियम साल्ट ऑफ एल्काईल बेंजीम सल्फोनिक एसिड एण्ड पोलीइथोनाक्सी इथर ऑफ फैटी अल्कोहल	२.४० % भार/भार
एरोमेटिक हाइड्रोकार्बन घोलक (एरोमेक्स)		पर्याप्त मात्रा%भार/भार
	एकुण	१००.००० % भार/भार

उत्पादक :

मायकॉन लेबोरेटरीज प्रा. लि.

गट नं.५२, प्लॉट नं. २,३ धोंडी शिवार, धमाणे, पोष्ट देवभाने, ता. जि. धुळे. (महाराष्ट्र)